सीयूजे में किया जायेगा कोयला खनन पर शोध

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) में सीसीएल के सहयोग से अब कोयला खनन में शोध और विकास के लिए केंद्र स्थापित किया जायेगा. इसके लिए सीयूजे और सीसीएल के बीच सोमवार को एमओयू किया गया. सोसीएल इस केंद्र में नॉलेज पार्टनर के रूप में कार्य करेगा. इस एमओयू पर विवि के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास और सीसीएल रांची के सीएमडी पीएम प्रसाद ने हस्ताक्षर किया. एमओयू के बाद कुलपति प्रो दास ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में सतत विकास के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से पाने के लिए एकेडमिक संस्थान और उद्योग के बीच तालमेल की आवश्यकता है. सीसीएल सीएमडी पीएम प्रसाद ने कहा कि उद्योग और एकेडमिक गठजोड़ पर्यावरण के अनुकूल, सुरक्षा, लागत, प्रभाव और टिकाऊ तरीके से कोयला खनन व कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए जरूरी है. इस अवसर पर प्रो रतन कुमार डे, रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरिकुमार, जीएम कमल किशोर झा, डीन प्रो मनोज कुमार, प्रो एके पाधी आदि मौजूद थे.

झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Jharkhand
Signing Ceremony
Memorandum of Understanding
between
Central University of Jharkhand
and
Central Coalfields Limited
Shri PM Prasad
Central Coalfields Limited

CUJ and CCL sign pact for centre on clean coal mining

Jaideep. Deogharia@timesgroup.com

Ranchi: The Central University of Jharkhand (CUJ) and the Central Coalfields Limited (CCL) signed a memorandum of understanding (MoU) on Monday to form a research and development centre on clean coal mining.

The pact was signed between CUJ registrar SL Harikumar and CCL general manager (P&P) Kamal Kishor Jha in the presence of university vice-chancellor Kshiti Bhushan Das and CCL CMD PM Prasad.

The R&D centre would deal with various aspects of technological research and its application to increase coal production while reducing its carbon footprint.

In this alliance, CUJ will serve as the "knowledge partner of CCL", while CCL will serve as the "industry partner of CUJ". The alliance is likely to conduct, implement and replicate successful innovative solutions across performance areas like core research in technology advancements and their application in advanced mining technologies, carbon sequestration, capture and storage/utilisation, mine water treatment and utilisation in domestic and industrial application, capacity building, waste reduction, carrying capacity estimation of environment, land reclamation, and other such fields.

Under the pact, the institutions will conduct joint research to develop models for accountable corporate social responsibility (CSR) and work in tandem for knowledge partnership, annual shared academic and cultural events, corporate communication and academic collaboration.

eserved. Reproduction in whole or in part without written permission of the publisher is

सीयूजे और सीसीएल के बीच हुआ करार

रांची, प्रमुख संवाददाता। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) ने कोयला खनन में अनुसंधान और विकास केंद्र स्थापित करने के लिए सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), रांची के साथ सोमवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इसका उद्देश्य टिकाऊ प्रौद्योगिकी और कंपनी के ऑफ-टेक लक्ष्यों के साथ तेजी से बढ़ते उत्पादन की पृष्ठभूमि में मजबूत शिक्षा-उद्योग इंटरफेस का निर्माण करना है।

इस करार के तहत सीयूजे, सीसीएल के नॉलेज पार्टनर और सीसीएल सीयूजे के उद्योग भागीदार के रूप में काम करेगा। यह गठजोड़ प्रौद्योगिकी प्रगति में कोर अनुसंधान और उन्नत खनन प्रौद्योगिकियों, कार्बन पृथक्करण, खान जल उपचार और इसका घरेलू क्षेत्र में उपयोग और औद्योगिक अनुप्रयोग, क्षमता निर्माण, अपशिष्ट में कमी, पर्यावरण की वहन क्षमता का अनुमान आदि के लिए कारगर होगा।

सीयूजे और सीसीएल के अधिकारी हस्ताक्षर के बाद एक दूसरे को दस्तावेज सौपते।

- प्रो मनोज कुमार बोले- समझौता मील का पत्थर साबित होगा
- वीसी क्षितिज भूषण दास व सीसीएल सीएमडी ने कहा- सराहनीय पहल

सीयूजे के रजिस्ट्रार प्रो एसएल हरिकुमार और सीसीएल के जीएम (पीएंडपी) कमल किशोर झा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मौके पर सीयूजे के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास, सीसीएल के सीएमडी पीएम प्रसाद, सीयूजे के डीन एकेडेमिक प्रो मनोज कुमार, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो रतन कुमार डे, प्रो एके पाधी व अन्य उपस्थित थे।